बड़ी इलायची

- बड़ी इलायची (अमोमम सुबुलेटम ***Amomum subulatum***) मसाले के रूप में प्रयोग होती है।
- मध्य–पर्वतीय क्षेत्र जहां अच्छी वर्शा होती है, मिट्टी में जैविक तत्व से भरपूर रेतीली दोमट हो तथा अम्लीय हो, भूमि नमी–युक्त छायादार हो, वहां इस फसल को सफलता–पूर्वक उगाया जा सकता है।
- संस्थान ने इस फसल के स्थानीय जर्मप्लाज्म के संरक्षण एवं खेती के लिए श्रेष्ठ विधि तैयार करने हेतु कदम उठाए हैं।

प्रवर्धन : बीजों, प्रकंदों और ऊतक संवर्धन द्वारा

रोपण

- पाला, ओले और सूखे से बचाने के लिए इसे छायादार स्थलों में पौधे से पौधे तथा कतार से कतार में 1.5 मीटर x 1.5 मीटर की दूरी पर लगाना चाहिए।
- पौध रोपण के 3 वर्ष बाद प्रति पौधे से 200 ग्राम बड़ी इलाइची प्राप्त की जा सकती है।

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology

पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, 176061 (भारत)
Palampur, Himachal Pradesh, 176061 (INDIA)

दूरभाष : 01894–230411 फैक्स : 01894–230433
E-mail: director@ihbt.res.in; Website http://www.ihbt.res.in